हिमाचल प्रदेश चौदहवीं विधान सभा

तेरहवां सत्र

समाचार भाग-1

संख्या : 120

सोमवार, 16 नवम्बर, 2026/25 कार्तिक, 1948(शक्)

सदन की कार्यवाही का संक्षिप्त अभिलेख

2:00 बजे (अपराह्न)

सदन की बैठक माननीय अध्यक्ष, श्री कुलदीप सिंह पठानिया की अध्यक्षता में 2.00 बजे अपराह्न आरम्भ हुई।

माननीय अध्यक्ष द्वारा सम्बोधन

"शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए मैं इस माननीय सदन के समस्त सदस्यों का अभिनन्दन करता हूँ और विशेष तौर पर मान्य सदन के नेता एवं मुख्य मंत्री, श्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू जी, उप मुख्य मंत्री, श्री मुकेश अग्निहोत्री जी, प्रतिपक्ष के नेता, श्री जय राम ठाकुर जी और समस्त मंत्रीगणों एवं समस्त विधायकों का आभार व्यक्त करता हूँ। यह चौदहवीं विधान सभा का तेरहवां सत्र है।

मैं आशा करता हूँ कि छ: दिन चलने वाले शीतकालीन सत्र में सत्ता पक्ष तथा प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों से सहयोग मिलता रहेगा। हिमाचल प्रदेश विधान सभा की गरिमा तथा परम्पराओं का सम्मान करते हुए नियमों की परिधि में रहकर जनहित से सम्बन्धित विषयों पर सदन में सार्थक चर्चा करेंगे तथा सत्र के संचालन में अपना रचनात्मक सहयोग देंगे।

इससे पूर्व कि आज की कार्यवाही आरम्भ करें, मेरा सभामण्डल में उपस्थित सभी से निवेदन है कि वे राष्ट्रीय गान के लिए अपने-अपने स्थान पर खड़े हो जाएं।"

(राष्ट्रीय गान गाया गया।)

1. शोकोद्गार:

निम्नलिखित ने स्वर्गीय श्री विजय सिंह मनकोटिया, पूर्व सदस्य एवं स्वर्गीय श्री नन्द लाल, सदस्य, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के निधन पर शोकोद्गार व्यक्त किए:-

1. श्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू, माननीय मुख्य मंत्री
2. श्री जय राम ठाकुर, माननीय नेता प्रतिपक्ष
3. श्री रोहित ठाकुर, माननीय शिक्षा मंत्री
4. श्री बलबीर सिंह वर्मा, माननीय सदस्य
5. श्री केवल सिंह पठानिया, माननीय उप मुख्य सचेतक
6. श्री विपिन सिंह परमार, माननीय सदस्य
7. श्री मोहन लाल ब्राक्टा, माननीय सदस्य
8. डॉ0 हंस राज, माननीय सदस्य
9. श्री जगत सिंह नेगी, माननीय राजस्व मंत्री

माननीय अध्यक्ष द्वारा शोक संवेदना

"मैं भी माननीय मुख्य मंत्री द्वारा लाए गए शोकोद्गार प्रस्ताव में अपने आपको शामिल करता हूँ क्योंकि दोनों माननीय सदस्य काफी लम्बे समय तक इस मान्य सदन के सदस्य रहे और मुझे भी इन दोनों के साथ इस मान्य सदन में काम करने का मौका मिला। इस मान्य सदन ने जो संवेदनाएं उन दोनों माननीय सदस्यों के प्रति प्रकट की हैं वे बिल्कुल निष्पक्ष व सही हैं और उनके व्यवहार या पर्सनैलिटी के मुताबिक सभी ने अपने-अपने विचारों की अभिव्यक्ति की है।

स्वर्गीय श्री नन्द लाल जी का जन्म दिनांक 16 अप्रैल, 1954 को स्वर्गीय श्री प्यारे लाल जी के घर गांव-देवठी, रामपुर बुशहर, जिला-शिमला में हुआ था।

स्वर्गीय श्री नन्द लाल, आई0टी0बी0पी0 अकादमी से प्रशिक्षण प्राप्त करने के तुरंत बाद कमांडो दल (आई0टी0बी0पी0) में शामिल हुए थे। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों जैसे कि 1982 में एशियाई खेल, 1983 में गुटनिरपेक्ष सम्मेलन और 1984 में राष्ट्रमंडल सम्मेलन में भाग लिया। वर्ष 1985 में एस.पी.जी. में कार्यरत रहते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री और पूर्व प्रधानमंत्रियों की सुरक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें उत्कृष्ट सेवाओं हेतु पूर्व प्रधानमंत्रियों स्वर्गीय श्री राजीव गांधी और स्वर्गीय श्री चंद्र शेखर जी तथा माननीय उप प्रधान मंत्री श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी, जैसा कहा गया, से प्रशंसा पत्र भी प्राप्त हुए थे। उन्होंने जम्मू और कश्मीर के अत्यधिक उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में आई0टी0बी0पी0 बटालियन की कमान संभाली थी। वर्ष 2001 में उन्हें उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई और उत्कृष्ट सेवाओं हेतु दो बार राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। अरुणाचल प्रदेश सरकार द्वारा भी उन्हें राज्य की सुरक्षा और विकास में योगदान हेतु भी सम्मानित किया था। उन्होंने 2007 में केंद्रीय सरकारी सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के उपरान्त जनसेवा हेतु राजनीति में प्रवेश किया था।

स्वर्गीय श्री नन्द लाल वर्ष 2007, 2012, 2017 व 2022 में इस मान्य सदन के सदस्य चुने गये और 13 मई, 2013 से 20 दिसंबर, 2017 तक मुख्य संसदीय सचिव रहे। उनकी समाज सेवा में विशेष रुचि थी। वे सदा निष्ठा, ईमानदारी और जनसेवा के प्रतीक थे। स्वर्गीय श्री नन्द लाल जी का निधन दिनांक 03 नवम्बर, 2026 को 72 वर्ष की आयु में हुआ।

स्वर्गीय श्री विजय सिंह मनकोटिया जी का जन्म दिनांक 23 नवम्बर, 1939 को स्वर्गीय श्री ओंकार सिंह ठाकुर जी के घर गांव-तियारा, जिला-कांगड़ा में हुआ था। स्वर्गीय श्री विजय सिंह मनकोटिया का वर्ष 1960 में भारतीय सेवा अकादमी के लिए चयन व 1962 में विशिष्ट कार्य-निष्पादन एवं योग्यता के लिए "Sword of Honour" तथा स्वर्ण पदक के साथ, जो Highest Honour of the Training in IMA है, के साथ सेना में नियुक्त हुए थे। 1962 में भारत-चीन युद्ध तथा 1965 और 1971 में पाकिस्तान के विरुद्ध युद्धों में गोरखाओं के साथ काम किया क्योंकि वे गोरखा रेजीमेंट को कमांड करते थे। रॉयल भूटान आर्मी के साथ भूटान में चार साल तक सेवा की। उन्होंने 1976 में भारतीय सेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली।

स्वर्गीय श्री विजय सिंह मनकोटिया वर्ष 1982, 1985, 1990, 1993, 2003 में 5 बार विधान सभा सदस्य चुने गए। वर्ष 1995-1998 और मार्च, 2003 से जुलाई, 2004 तक पर्यटन, नागरिक उड्डयन एवं विधि मंत्री के पद पर आसीन रहे। उनकी समाज सेवा में विशेष रुचि थी। वे सदा निष्ठा, ईमानदारी और जनसेवा के प्रतीक रहे। दिनांक 29 सितम्बर, 2026 को 87 वर्ष की आयु में अचानक उनका निधन हुआ।

मैं दिवंगत आत्माओं को मान्य सदन की ओर से भी शांति की कामना करता हूं और सदन की भावनाओं को उनके परिवाजनों तक पहुंचा दिया जाएगा।"

(दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए सदन में कुछ क्षण खड़े होकर मौन रखा गया।)

(प्रश्नोत्तर से सम्बन्धित कार्यसूची में वर्णित मद संख्या: 2 कार्यवाही का हिस्सा बनी।)

मान्य सदन के वर्तमान सदस्य के निधन पर पूर्व परम्परा अनुरूप 3:17 बजे अपराह्न सदन की बैठक मंगलवार दिनांक 17 नवम्बर, 2026 के 11:00 बजे पूर्वाह्न तक स्थगित हुई।

*****